नमोह 108

- केन्द्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने हाल ही में कमल के फूल की 108 पंखुड़ियों वाली नयी किस्म 'नमो 108' का अनावरण किया।
- लखनऊ में CSIR के नेशनल बॉटनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट ने इसे तैयार किया है।

- कमल की 'एनबीआरआई नमो 108 किस्म के फूल मार्च से दिसंबर तक खिलते हैं और यह पहला फूल है जिसका जीनोम इसकी विशेषताओं के लिए पूरी तरह से अनुक्रमित किया गया।

- कमल के फूल और 108 अंक के धार्मिक महत्व के मद्देनजर यह संयोजन इस किस्म को एक विशेष पहचान देता है।

इसे CSIR की वन वीक वन लैब (OWOL) पहल के तहत प्रस्तुत किया गया है।

OWOL के तहत प्रत्येक प्रयोगशाला एक सप्ताह तक अपने इतिहास और वैज्ञानिक उपलब्धियों का प्रदर्शन करेंगी।

- कमल की इस किस्म की खोज कई साल पहले मणिपुर में की गई थी। यह भारत में कमल की एकमात्र ऐसी किस्म है, जिसका जीनोम अनुक्रमण किया गया है।
- देश के अन्य हिस्सों में इसकी खेती को बढ़ावा देने के लिए बागवानी मिशन के तहत लोटस मिशन भी शुरू किया गया है।

मालाबार नौसैनिक अभ्यास

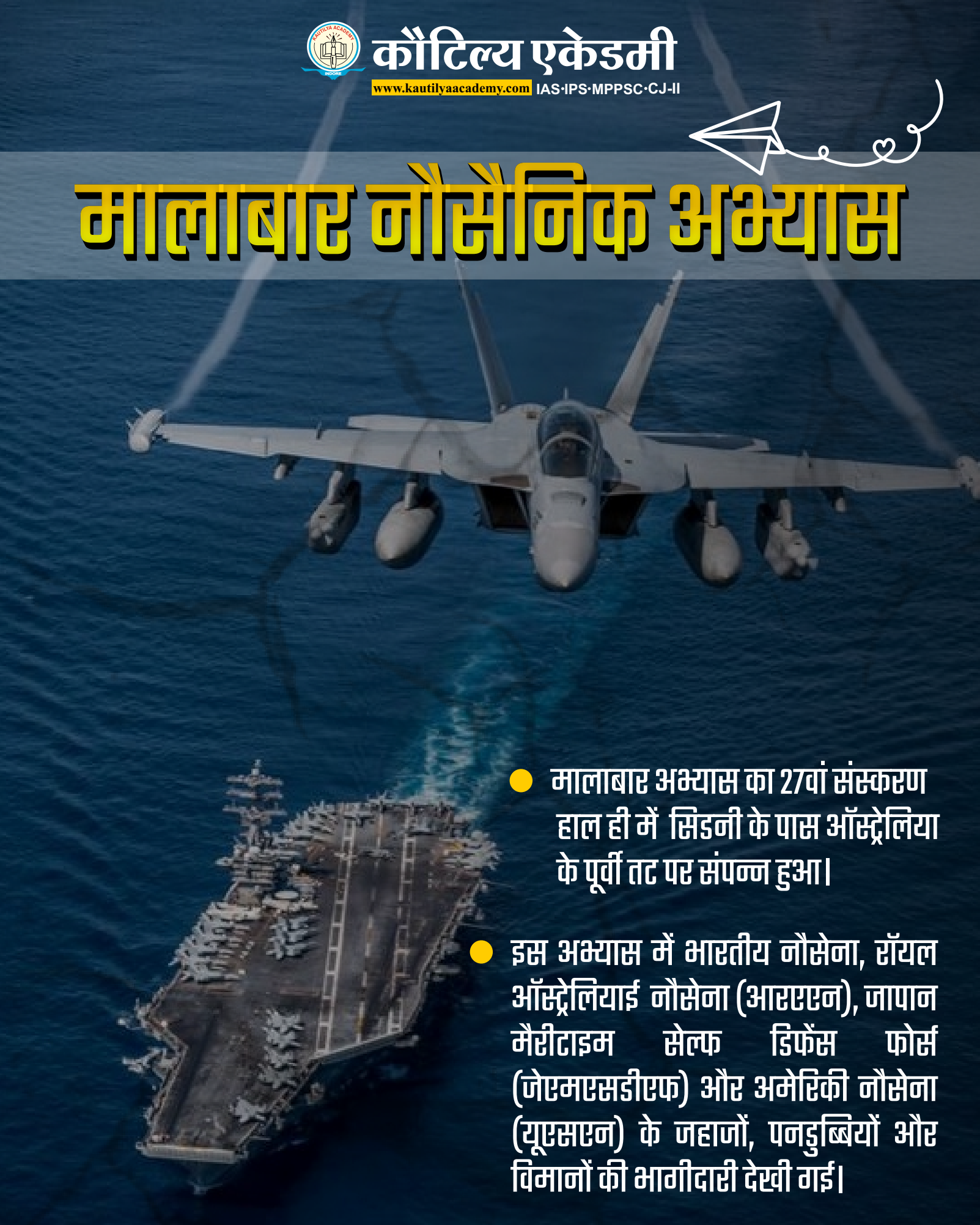

- मालाबार अभ्यास का 27वां संस्करण हाल ही में सिडनी के पास ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर संपन्न हुआ।
- इस अभ्यास में भारतीय नौसेना, रॉयल ऑस्ट्रेलियाई नौसेना (आरएएन), जापान मैरीटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेएमएसडीएफ) और अमेरिकी नौसेना (यूएसएन) के जहाजों, पनडुब्बियों और विमानों की भागीदारी देखी गई।

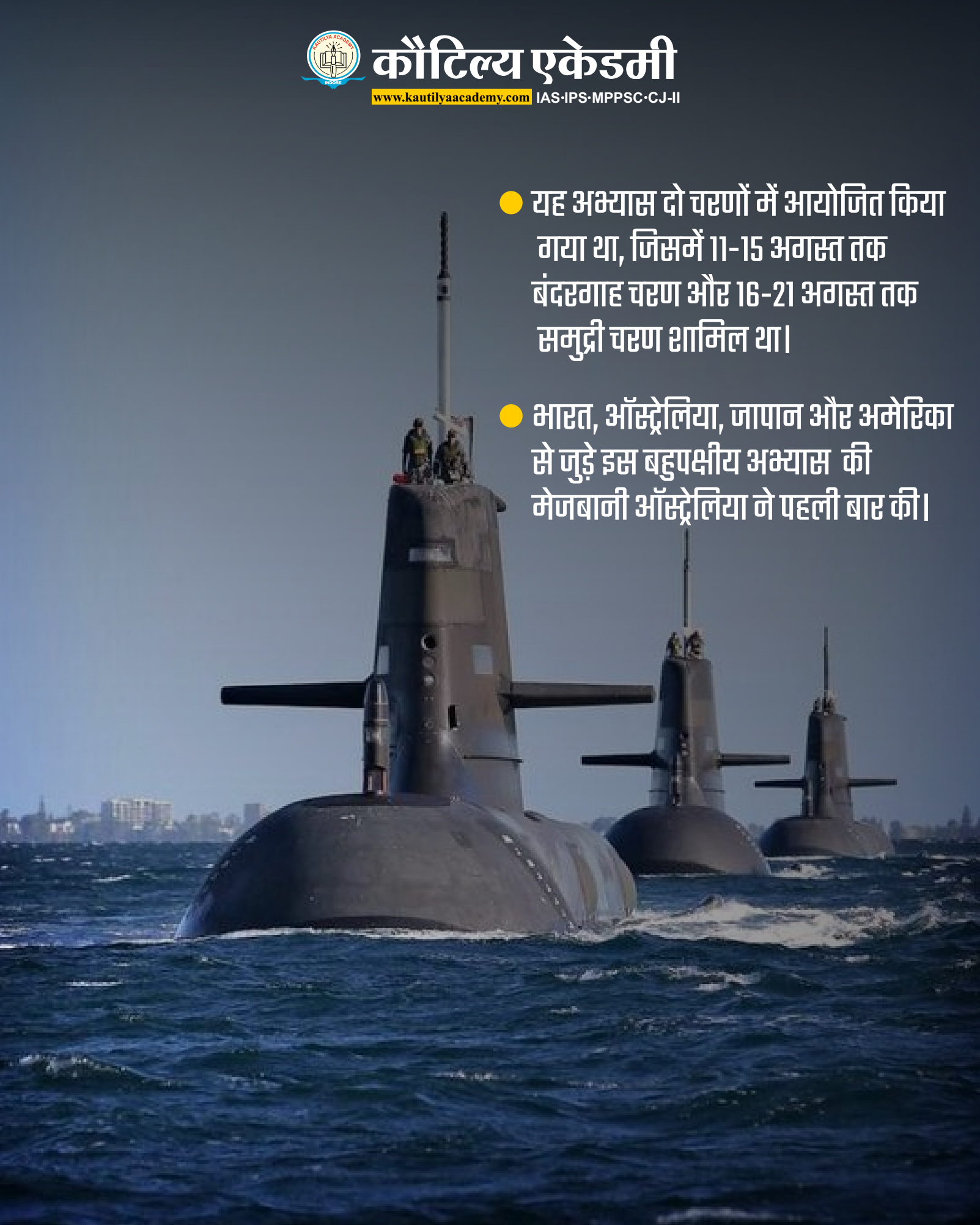

- यह अभ्यास दो चरणों में आयोजित किया गया था, जिसमें 11-15 अगस्त तक बंदरगाह चरण और 16-21 अगस्त तक समुद्री चरण शामिल था।
- भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका से जुड़े इस बहुपक्षीय अभ्यास की मेजबानी ऑस्ट्रेलिया ने पहली बार की।

- चार रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फ़ोर्स (RAAF) F-35 और दो Hawk advanced jet trainers अभ्यास के समुद्री चरण में शामिल हुए।

उद्देश्य

- अभ्यास मालाबार ने एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी इंडो-पैसिफिक को सुनिश्चित करने एवं सभी के लिए शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए भाग लेने वाले चारों देशों के मजबूत सहयोग, साझा मूल्यों और सामूहिक क्षमता को प्रदर्शित करना है।
- चार देशों की नौसेनाओं के बीच उन्नत समुद्री संचालन शुरू करने के लिए अंतरसंचालनीयता को बढ़ाना है।

लिकरु- मिगला फुकचे सड़क का निर्माण

भारत के सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने हाल ही में विश्व की सबसे ऊंची सड़क का निर्माण कार्य शुरू किया है। यह सड़क लद्दाख के डेमचोक सेक्टर में बनाई जा रही है।

- 'लिकरु-मिंग ला-फुकचे' नामक यह रणनीतिक सड़क 19,400 फीट की ऊंचाई से होकर गुजरेगी।
- उमलिंग ला दर्रा को पार करते हुए यह सड़क विश्व की सबसे ऊंची मोटर योग्य सड़क बन जाएगी।
- सैन्य और नागरिक उपयोग के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से इस सड़क का निर्माण किया जा रहा है।

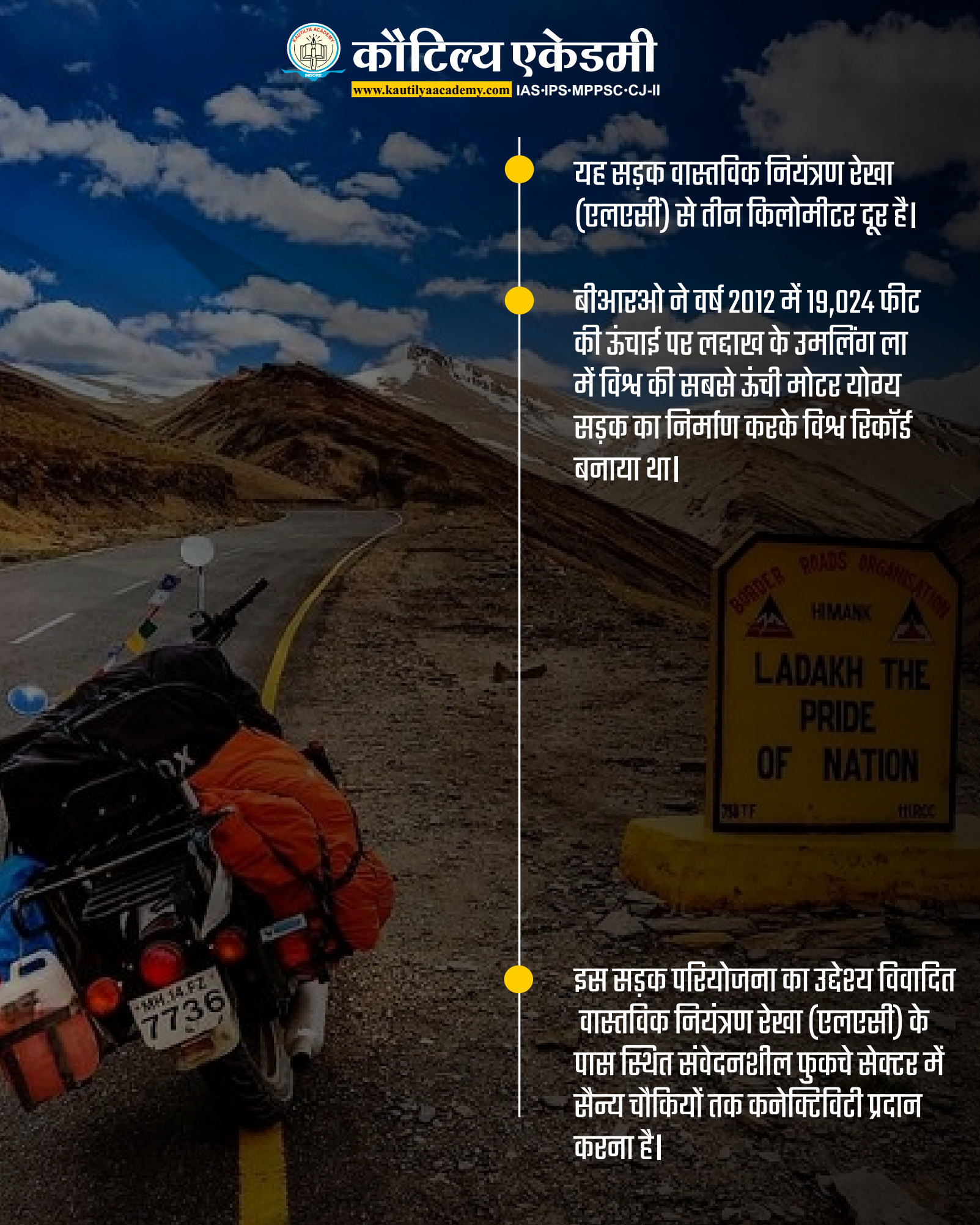

- यह सड़क वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से तीन किलोमीटर दूर है।
- बीआरओ ने वर्ष 2012 में 19,024 फीट की ऊंचाई पर लद्दाख के उमलिंग ला में विश्व की सबसे ऊंची मोटर योग्य सड़क का निर्माण करके विश्व रिकॉर्ड बनाया था।
- इस सड़क परियोजना का उद्देश्य विवादित वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास स्थित संवेदनशील फुकचे सेक्टर में सैन्य चौकियों तक कनेक्टिविटी प्रदान करना है।

- विशेष रूप से, कर्नल पोनुंग डोमिंग के नेतृत्व में बीआरओ की एक महिला इकाई निर्माण की निगरानी कर रही है।
- इसके अतिरिक्त, बीआरओ शिंकूला सुरंग और 'न्योमा एयरफील्ड' के निर्माण सहित अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाएं चला रहा है।
- सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) भारत में एक सड़क निर्माण कार्यकारी बल है जो भारतीय सशस्त्र चलों को सहायता प्रदान करता है।इसकी स्थापना वर्ष 1960 में की गई।

- इसमें 19 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह सहित) और अफगानिस्तान, भूटान, म्यांमार, ताजिकिस्तान और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों में बुनियादी ढांचे के संचालन शामिल हैं।

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी)

- यह भारत और चीन के बीच की वास्तविक सीमा रेखा है। 4,057 किलोमीटर लंबी यह सीमा रेखा जम्मू - कश्मीर में भारत अधिकृत क्षेत्र और चीन अधिकृत क्षेत्र अक्साई चीन को पृथक करती है।